ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO: 2

CHAPTER NAME: BILASYABANI KADAPI ME NA SRUTA

PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

द्वितीयः पाठः

बिलस्य वाणी न कदापि मे श्रुता

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Expected Learning Outcome

१. छात्राणाम् मनसी उपस्थित वुद्धेः विकाश

२. वौद्धिकज्ञानस्य वुद्धिः

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पूर्वपाठस्य आलोचना -

१. सिहस्य नाम किम्?

२. गृहाया: स्वामी क: आसीत्?

३. क: आहारं न प्राप्तवान्?

४. सिंह: किम् अचिन्तयत्?

५. क: निगुढो भुत्वा तिष्ठति ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

तदहम् अस्य आह्वानं करोमि । एवं सः बिले प्रविश्य मे भोज्यं भविष्यति । इत्थं विचार्य सिहः सहसा शृगालस्य आह्वानमकरोत् । सिंहस्य उच्चगर्जन- प्रतिध्वनिना सा गुहा उच्चैः शृगालम् आह्वयत् अनेन अन्ये पि पशवः भयभीतआः अभवन् । शृगालो पि ततः दुरं पलायमानः इममपठत्-

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थः तो (तब) मैं इसको पुकारता हूँ। इस तरह वह बिल में प्रवेश करके मेरा भोजन (शिकार) बन जाएगा। इस प्रकार सोचकर शेर ने अचानक गीदड़ को पुकारा। शेर की गर्जना की गूँज (प्रतिध्वनि) से वह गुफा शोर से गीदड़ को पुकारने लगी। इससे दूसरे पशु भी डर से व्याकुल हो गए। गीदड़ भी वहाँ से दूर भागते हुए इस (श्लोक) को पढ़ने लगा-

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थः	भावार्थः
तत्	तब (तो)।
आह्वानम्	पुकार (बुलावा)।
प्रविश्य	प्रवेश करके।
मे	मेरा।
भोज्यम्	भोजन योग्य (पदार्थ)।
इत्थं	इस तरह।
विचार्य	विचार करके।
सहसा	एकाएक।
उच्चगर्जन	शोर की गर्जना की।
प्रतिध्वनिना	गूँज (किसी वस्तु से टकराकर वापस आई आवाज)।
उच्चैः	शोर से।
आह्वयत्	पुकारा।
भयभीताः	भय से व्याकुल।
ततः	वहाँ से।
पलायमानः	भागता हुआ।
इमम्	इस (को)।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अनागतं यः कुरुते स शोभते स शोच्यते यो न करोत्यनागतम् ।
वनेऽत्र संस्थस्य समागता जरा बिलस्य वाणी न कदापि मे
श्रुता ||

अन्वयःयः अनागतं कुरुते स शोभते, यः अनागतम् न करोति स शोच्यते। अत्र वने संस्थस्य (मे) जरा समागता (परं) मे कदापि बिलस्य वाणी न श्रुता।।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ: जो आने वाले कल का (आगे आने वाली संभावित आपदा का) उपाय करता है, वह संसार में शोभा पाता है और जो आने वाले कल का उपाय नहीं करता है (आनेवाली संभावित विपत्ति के निराकरण का उपाय नहीं करता) वह दुखी होता है। यहाँ वन में रहते मेरा बुढ़ापा आ गया (परन्तु) मेरे द्वारा (मैंने) कभी भी बिल की वाणी नहीं सुनी गई।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ:	भावार्थ:
अनागतम्	आने वाले कल का।
यः	जो।
कुरुते	(निराकरण) करता है।
शोभते	शोभा पाता है।
शोच्यते	चिन्तनीय होता है।
वनेऽत्र	यहाँ वन में।
संस्थस्य	रहते हुए का।
जरा	बुढ़ापा।
बिलस्य	बिल का (गुफा का)।
वाणी	आवाश।
कदापि	कभी भी।
मे	मेरे द्वारा।
श्रुता	सुनी गई।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

EXTRA QUESTIONS

१. सिंह किम् अचिन्तयत्?

२. कथम वाणी न प्रवर्त्तन्त?

३. सिंहः किदृशम् शृगालस्य आहवानं अकरोत्?

४. गृहा केन प्रतिध्वनिना?

५. कः शोभते?

६. शृगालः कुत्र पलायितः?

७. शृगालः किम् अचिन्तयत्?

८. शृगालः दुरं पलायमानः कः श्लोकः अपठत

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृहकार्य -

अनुच्छेदात् पञ्च सन्धि, पञ्च समासं च लिखत ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow